13-12-2019

सप्तदश माला, खंड 6, अंक 20 **शुक्रवार, 13 दिसम्बर, 2019**

22 अग्रहायण, 1941 (शक)

लोक सभा वाद-विवाद

(हिन्दी संस्करण)

दूसरा सत्र

(सत्रहवीं लोक सभा)

सत्यमेव जयते

(खंड 6 में अंक 11 से 20 तक हैं)

लोक सभा सचिवालय

नई दिल्ली

13-12-2019

सम्पादक मंडल

उत्पल कुमार सिंह
महासचिव
लोक सभा

ममता केमवाल
संयुक्त सचिव

अमर सिंह
निदेशक

इंदु बक्शी
संयुक्त निदेशक

मदन गोपाल
उप निदेशक

© 2019 प्रतिलिप्यधिकार लोक सभा सचिवालय

लोक सभा सचिवालय की पूर्व स्वीकृति के बिना किसी भी सामग्री की न तो नकल की जाए और न ही पुन: प्रतिलिपि तैयार की जाए, साथ ही उसका वितरण, पुन: प्रकाशन, डाउनलोड, प्रदर्शन तथा किसी अन्य कार्य के लिए इस्तेमाल अथवा किसी अन्य रूप या साधन द्वारा प्रेषण न किया जाए, यह प्रतिबंध केवल इलेक्ट्रॉनिक, मैकेनिकल, फोटोप्रति, रिकॉर्डिंग आदि तक ही सीमित नहीं है। तथापि, इस सामग्री का केवल निजी, गैर-वाणिज्यिक प्रयोग हेतु प्रदर्शन, नकल और वितरण किया जा सकता है बशर्ते कि सामग्री में किसी प्रकार का परिवर्तन न किया जाए और सभी प्रतिलिप्यधिकार (कॉपीराइट) तथा सामग्री में अंतर्विष्ट अन्य स्वामित्व संबंधी सूचनाएं सुरक्षित रहें।

लोक सभा वाद-विवाद के हिन्दी संस्करण का अनुवाद कृत्रिम मेधा (Artificial Intelligence**) आधारित सॉफ्टवेयर एप्पलीकेशन की सहायता से किया गया है और सटीक अनुवाद उपलब्ध कराने के लिए यथोचित प्रयास किए गए हैं। तथापि,** हिन्दी संस्करण में सम्मिलित मूल हिन्दी कार्यवाही ही प्रामाणिक मानी जाएगी। इसमें सम्मिलित मूलत: अंग्रेजी और अन्य भाषाओं में दिए गए भाषणों का हिन्दी अनुवाद प्रामाणिक नहीं माना जाएगा। पूर्ण प्रामाणिक संस्करण के लिए कृपया लोक सभा वाद-विवाद का मूल संस्करण देखें।

विषय-सूची

सप्तदश माला, खंड 6, दूसरा सत्र, 2019 / 1941 (शक)
अंक 20, शुक्रवार, 13 दिसम्बर, 2019 / 22 अग्रहायण, 1941 (शक)

विषय	पृष्ठ संख्या
अध्यक्ष द्वारा उल्लेख	
13 दिसंबर, 2001 को संसद भवन पर हुए आतंकी हमले की 18वीं बरसी	6
प्रश्नों के लिखित उत्तर	
तारांकित प्रश्न संख्या 361 से 380	17
अतारांकित प्रश्न संख्या 4141 से 4370	17
विदाई उल्लेख	18-21
राष्ट्रगीत	21

लोक सभा के पदाधिकारी

अध्यक्ष

श्री ओम बिरला

सभापति तालिका

श्रीमती रमा देवी

डॉ. (प्रो.) किरिट प्रेमजीभाई सोलंकी

श्री राजेन्द्र अग्रवाल

श्रीमती मीनाक्षी लेखी

श्री कोडिकुन्नील सुरेश

श्री ए. राजा

श्री पी.वी. मिधुन रेड्डी

श्री भर्तृहरि महताब

श्री एन.के. प्रेमचन्द्रन

डॉ. काकोली घोष दस्तीदार

महासचिव

श्रीमती स्नेहलता श्रीवास्तव

लोक सभा वाद-विवाद

लोक सभा

शुक्रवार, 13 दिसंबर, 2019 / 22 अग्रहायण, 1941 (शक)

लोक सभा पूर्वाह्न ग्यारह बजे समवेत हुई।

[**माननीय अध्यक्ष** *पीठासीन हुए*]

अध्यक्ष द्वारा उल्लेख

13 दिसंबर, 2001 को संसद भवन पर हुए आतंकी हमले की 18वीं बरसी

[हिंदी]

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, जैसा कि आप सभी को विदित है, अठारह वर्ष पूर्व 13 दिसम्बर, 2001 को एक दुस्साहसिक हमले में हमारी लोकतांत्रिक राजव्यवस्था की प्रतीक भारतीय संसद आतंकी हमले का निशाना बनी।

यह हमला संसद परिसर की सुरक्षा में लगे हुए सतर्क सुरक्षा बलों द्वारा निष्फल कर दिया गया था। दिल्ली पुलिस के पांच सुरक्षाकर्मी, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की एक महिला कांस्टेबल, संसद सुरक्षा सेवा के दो सुरक्षा सहायक तथा एक अन्य कर्मचारी भी इस आतंकी हमले में शहीद हुए।

यह सभा हमारे बहादुर सुरक्षा कर्मियों द्वारा दिए गए सर्वोच्च बलिदान के प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करती है तथा उनके परिवारों के साथ मजबूती से खड़ी है।

इस अवसर पर, हम आतंकवाद से लड़ने तथा अपने देश की एकता, अखंडता और सम्प्रभुता की रक्षा करने संबंधी अपने संकल्प को एक बार पुन: दोहराते हैं।

अब यह सभा दिवंगत आत्माओं के सम्मान में थोड़ी देर मौन खड़ी रहेगी।

पूर्वाह्न 11.01 बजे

(तत्पश्चात सदस्यगण थोड़ी देर मौन खड़े रहे।)

———

... (व्यवधान)

[हिंदी]

माननीय अध्यक्ष: प्रश्न काल।

... (व्यवधान)

संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अर्जुन राम मेघवाल): माननीय अध्यक्ष जी, हमारी तरफ से बहुत से लोगों के एजर्नमेंट मोशन हैं। ... (व्यवधान) जैसे साध्वी जी ने बाहर बोला था और हाउस में माफी मांगी थी, ऐसे ही राहुल गांधी जी ने बाहर बोला कि 'मेक इन इंडिया' की जगह 'रेप इन इंडिया' हो गया है। यह बहुत कन्डेम्नेबल एक्टिविटी है। ... (व्यवधान) उन्हें हाउस में आकर माफी मांगनी चाहिए।... (व्यवधान) वह हाउस में आकर माफी मांगें।... (व्यवधान) हाउस में ऐसा पहले कर रखा है, साध्वी निर्मला ज्योति जी ने।... (व्यवधान) वह हाउस में नहीं बोली थीं, पब्लिक में बोली थीं, मीटिंग में, ...(व्यवधान) ऐसे ही राहुल गांधी जी पब्लिक में बोले हैं।... (व्यवधान) उनको माफी मांगनी चाहिए।... (व्यवधान) उन्होंने कैसे कह दिया कि यह 'मेक इन इंडिया' नहीं 'रेप इन इंडिया' है। ... (व्यवधान) यह बहुत ही निंदनीय है। ... (व्यवधान) घोर आपत्तिजनक है।... (व्यवधान) सदस्य को यहां बुलाया जाए और हाउस में माफी मांगी जाए।... (व्यवधान)

अध्यक्ष जी, हमारी तरफ से सदस्यों ने नोटिस दिया है। मैं आपसे आग्रह करूंगा कि जिन सदस्यों ने नोटिस दिया है, उन्हें बोलने की अनुमति प्रदान की जाए।... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप विषय रखना चाहें, तो रखें।

... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप बोल क्यों नहीं रहे हैं ? यदि नहीं बोलना है, तो सदन को आगे चलाएं।

... (व्यवधान)

जल शक्ति मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत): आप अनुमति देंगे, तो विषय रखेंगे।... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : श्रीमती लॉकेट जी, यदि आपने बोलना है, तो आप अपनी जगह जाएं।

लॉकेट चटर्जी जी, आप क्या बोलना चाहती हैं?

... (व्यवधान)

श्रीमती लॉकेट चटर्जी (हुगली): अध्यक्ष जी, हम देश की बात कर रहे हैं, मोदी जी देश की बात कर रहे हैं, लेकिन वे लोग रेप की बात कर रहे हैं।... (व्यवधान) मोदी जी ने मेक इन इंडिया में भारत को आगे

बढ़ाने के लिए सब लोगों का वेलकम किया, लेकिन राहुल जी ने बोला – 'रेप इन इंडिया'। वे सबको वेलकम कर रहे हैं कि आओ, हम लोगों का रेप करो।... (व्यवधान) हम लोग महिलाएं हैं और यह पूरे भारत की महिलाओं का अपमान है।... (व्यवधान) यह भारत माता का अपमान है। मोदी जी 'मेक' की बात कर रहे हैं और राहुल गांधी 'रेप' की बात कर रहे हैं।... (व्यवधान) वे बिना सिक्योरिटी के घर से नहीं निकलते हैं, वे रेप की बात, रेप का दर्द कैसे समझेंगे? ...(व्यवधान) कांग्रेस पार्टी ने तो पूरे के पूरे देश का रेप कर दिया है। उनकी पद्धति ऐसी है कि महिला से रेप करके उसे तंदूर में डाल देते हैं।... (व्यवधान) इनका पत्थर दिल है। ये कैसे समझेंगे? भारतीय महिलाएं सबसे ऊपर हैं। उन्होंने महिलाओं का अपमान किया है, इसलिए उन्हें माफी मांगनी चाहिए।... (व्यवधान) मोदी जी का मेक इन इंडिया है और वे रेप की बात कह रहे हैं। वह समझते नहीं हैं कि भारतीय महिला क्या है? उन्होंने सभी मर्दों का अपमान किया है। भारत में सभी मर्द रेपिस्ट नहीं हैं? उन्होंने कहा कि बाहर से आओ और महिलाओं से रेप करो। वे महिलाओं के बारे में क्या सोचते हैं? ...(व्यवधान) क्या वह हम लोगों का रेप करेगा? हमारा ऐसे अपमान किया है और 'रेप इन इंडिया' बोला। सभी भारतीय महिला को बोल दिया, भारत माता को बोल दिया।... (व्यवधान) राहुल गांधी जी को ऐसे बोलने की हिम्मत कैसे हुई? उन्होंने औरतों का अपमान किया है। अधीर रंजन चौधरी जी ने भी कहा है कि यह 'रेप इन इंडिया' है।... (व्यवधान) आप भी माफी मांगिए। राहुल गांधी जी को माफी मांगनी पड़ेगी और आपको भी माफी मांगनी पड़ेगी।... (व्यवधान) आप कांग्रेस के नेताओं ने देश का अपमान किया है।... (व्यवधान)

संसदीय कार्य मंत्री; कोयला मंत्री तथा खान मंत्री (श्री प्रहलाद जोशी): अध्यक्ष जी, मैं एक प्रश्न पूछना चाहता हूं। माननीय प्रधान मंत्री जी ने सारी दुनिया का आह्वान किया कि हमारे देश में आओ, यहां इंडस्ट्री लगा दो, मैनुफैक्चरिंग करो, उत्पादन करो।... (व्यवधान) इसके लिए एक स्लोगन 'मेक इन इंडिया' दिया और रोजगार देने की बात की। राहुल गांधी को क्या हो गया है? आपके ध्यान में होगा, जब एक सदस्य ने बाहर स्टेटमेंट दी थी, उसके लिए स्वयं प्रधान मंत्री जी ने खेद प्रकट किया था।... (व्यवधान) मैं अधीर रंजन जी से पूछ रहा हूं, क्योंकि राहुल गांधी और सोनिया गांधी जी सदन में नहीं हैं। मैं अधीर रंजन जी से

पूछ रहा हूं कि राहुल गांधी ने क्या समझ रखा है? वे इस देश की महिलाओं के बारे में क्या सोचते हैं? मैं पूछता हूं कि क्या हमारे देश में सभी पुरुष रेपिस्ट्स हैं? …(व्यवधान)

महिला और बाल विकास मंत्री तथा वस्त्र मंत्री (श्रीमती स्मृति जूबिन ईरानी): अध्यक्ष जी, यह राष्ट्र के इतिहास में पहली बार हुआ है कि एक पार्टी का नेता सार्वजनिक तौर पर क्लैरियन कॉल देता हो कि हिंदुस्तान की महिलाओं का बलात्कार होना चाहिए।... (व्यवधान) यह राष्ट्र के इतिहास में पहली बार हुआ है। कांग्रेस पार्टी का नेता रेप जैसे संगीन जुर्म को पॉलिटिकल मोकरी का हिस्सा बनाता हो, यह राष्ट्र के इतिहास में पहली बार हुआ है।... (व्यवधान) गांधी खानदान का बेटा सरेआम कहता है कि 'आओ हिंदुस्तान में और बलात्कार करो।' अध्यक्ष जी, मैं आज आपसे पूछना चाहती हूं कि राहुल गांधी इस सदन के सांसद हैं और उनका वक्तव्य है कि हिंदुस्तान में हर पुरुष महिला का बलात्कार करना चाहता है।... (व्यवधान) क्या राहुल गांधी का यह वक्तव्य देश की जनता को संदेश है कि वह सार्वजनिक आह्वान करते हैं कि देश की महिलाओं का बलात्कार होना चाहिए।... (व्यवधान) अध्यक्ष जी, आज यह मात्र इस सदन के महिला और पुरुष सांसदों की गरिमा की बात नहीं है, इस सदन का एक सदस्य पहली बार यह हिमाकत कर रहा है कि हिंदुस्तान की औरतों का बलात्कार होना चाहिए।... (व्यवधान) ऐसे शब्द उसके मुंह से निकल रहे हैं। हिंदुस्तान की किसी महिला से पूछ लीजिए, यदि उसके बलात्कार का आह्वान किया जाए, तो उसे मुंह तोड़ जवाब देना आता है।... (व्यवधान)

डॉ. संजय जायसवाल (पश्चिम चम्पारण): अध्यक्ष जी, यह बात दो हजार साल पहले चाणक्य ने कही थी कि कभी विदेशी माता से उत्पन्न संतान कभी राष्ट्र भक्त नहीं हो सकती है।... (व्यवधान) इसका उदाहरण हम देख रहे हैं। जिस तरह से उन्होंने इस देश को शर्मिन्दा किया है, इसके लिए उनकी जितनी भी निंदा की जाए, कम है।... (व्यवधान) जिस पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वयं महिला हो, उसका पुत्र इस तरह की बात करता है, यह ठीक नहीं है। यह बात जो चाणक्य ने दो हजार साल पहले कही थी, उस बात को चरितार्थ करती है।... (व्यवधान)

श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत: अध्यक्ष जी, विपक्ष के मित्र क्वैश्चन ऑवर की डिमांड कर रहे हैं। पहला प्रश्न यह है कि राहुल गांधी जी ने यह जो बात कही है और महिलाओं का समग्र अपमान किया है, उसका जवाब हम चाहते हैं।... (व्यवधान) इसके बाद प्रश्न काल लिया जाएगा। पहला प्रश्न यह है कि राहुल गांधी ने यह जवाब किस परिप्रेक्ष्य में दिया है? ...(व्यवधान) उन्होंने जो कहा है, उसके लिए उन्हें यहां आकर माफी मांगनी चाहिए।... (व्यवधान)

श्रीमती रमा देवी (शिवहर): अध्यक्ष जी, आपको कुछ बोलना होगा।... (व्यवधान)

श्रीमती स्मृति जूबिन ईरानी: अध्यक्ष जी, मैं आपका संरक्षण चाहती हूं। देश की महिलाओं के लिए गांधी खानदान के सांसद ने आह्वान किया है कि महिलाओं का बलात्कार होना चाहिए। मैं देश के परिवारों की ओर से अपील करती हूं कि क्या आप उसे दंडित करेंगे? इस देश का हर पुरुष, हर भाई, हर पिता बलात्कारी नहीं है। जो बलात्कारी है, उसे कानून कड़ी से कड़ी सजा देता है।... (व्यवधान) यह हमारी कानूनी प्रतिबद्धता है। हर महिला को कलंकित करने का, उसका बलात्कार करने का, आह्वान करने का यह पाप किया है, इसे दंड निश्चित मिलना चाहिए।... (व्यवधान) देश की महिलाएँ उनकी बपौती नहीं हैं कि वह आह्वान करेंगे कि **[अनुवाद]** भारत में आएँ और बलात्कार करें। यह किसी राजनीतिक नेता द्वारा दिया गया सबसे घृणित वक्तव्य है। अपने राजनीतिक विरोधियों का मज़ाक उड़ाने के लिए महिलाओं को एक राजनीतिक साधन के रूप में इस्तेमाल करने के लिए उन्हें दंडित किया जाना चाहिए। ...(व्यवधान) **[हिंदी]** रेप इन इंडिया का स्टेटमेंट देने का दुस्साहस किया है। एक महिला सांसद होने के नाते और हम सब की तरफ से आपसे अपील करती हूं कि देश आपको देख रहा है, उसे दंडित कीजिए। ... (*व्यवधान*)

श्री प्रहलाद जोशी: माननीय अध्यक्ष जी, राहुल गांधी जी ने पूरे महिला समाज का अपमान किया है और सब पुरुषों को कहा है कि आप रेपिस्ट हैं। ... (व्यवधान) मैं उधर बैठी हुई सुप्रिया सुले जी, कनिमोझी जी और अन्य महिला सदस्य शताब्दी राय जी को पूछना चाहता हूं कि राहुल गांधी जी ने कहा है, रेप इन इण्डिया। ... (व्यवधान) इसका मतलब है इण्डिया में आओ और रेप करके चले जाओ। इसके लिए आपका

मत क्या है, आप बोलिए? ...(व्यवधान) **[अनुवाद]** उन्हें हमें बताना होगा कि उनके विचार क्या हैं। श्री राहुल गांधी के बयान पर उनकी प्रतिक्रिया क्या है? इसका क्या मतलब है? ...(व्यवधान) क्या यह शर्मनाक नहीं है? मैं श्रीमती सुप्रिया सुले और श्रीमती कनिमोझी से पूछना चाहता हूँ... (*व्यवधान*) राहुल गांधी कह रहे हैं, "रेप इन इंडिया।" 'रेप इन इंडिया' का मतलब क्या है? वह सभी बाहरी लोगों को भारत आने और भारत की सभी महिलाओं का बलात्कार करने के लिए कह रहे हैं। ...(*व्यवधान*) क्या यह सही है? उन्हें अपनी राय देनी होगी। उन्होंने यह बात कही है। ...(*व्यवधान*) आप देख सकते हैं कि वे क्या बात कर रहे हैं। क्या यह बात करने का उचित तरीका है? अगर वे महिलाओं की भावनाओं का सम्मान करते हैं तो उन्हें इस पर प्रतिक्रिया देनी चाहिए। ...(*व्यवधान*)

[हिंदी]

श्री अर्जुन राम मेघवाल : अध्यक्ष जी, प्रहलाद जोशी जी ने जो कहा है, सुप्रिया जी कह रही हैं कि मैंने नहीं सुना है और कनिमोझी जी भी कह रही हैं कि मैंने नहीं सुना है।... (व्यवधान) मैं वह रिपीट करना चाहता हूं कि राहुल गांधी जी ने कहा है कि मेक इंन इंडिया की जगह रेप इन इंडिया हो गया है।... (व्यवधान) तो इस पर आपका क्या मत है? क्या आप यह मानती हैं? इस पर आपका क्या मत है? इस पर आपकी क्या प्रतिक्रिया है? आपका क्या सुझाव है? ...(*व्यवधान*)

[अनुवाद]

श्रीमती कनिमोझी करूणानिधि (थूथुक्कुडी): महोदय, सभा में व्यवस्था नहीं है। ...(*व्यवधान*) सभा में व्यवस्था नहीं है। ...(*व्यवधान*) सदन में व्यवस्था होनी चाहिए...(*व्यवधान*) यह प्रश्नकाल है और सदन में व्यवस्था नहीं है। माननीय मंत्री ने मेरा और श्रीमती सुप्रिया सुले का नाम लिया है और वे हमसे जवाब की अपेक्षा करते हैं। हमें सबसे पहले एक बात समझनी होगी कि ये बात सदन के बाहर कही गई थी. ...(*व्यवधान*) एक मिनट, मुझे अपनी बात समाप्त करने दीजिए। ...(*व्यवधान*) मुझे समाप्त करने दीजिए। आप चाहते थे कि मैं इसका जवाब दूं।

माननीय प्रधानमंत्री जी हमेशा मेक-इन-इंडिया के बारे में बात करते रहते हैं। हम सभी इसका सम्मान करते हैं और हम चाहते हैं कि चीजें भारत में बनें और भारत एक अत्यधिक समृद्ध अर्थव्यवस्था बने। लेकिन फिर, इस देश में क्या हो रहा है? ... (*व्यवधान*) माननीय सदस्य श्री राहुल गांधी के कहने का आशय यह है। ...(*व्यवधान*) दुर्भाग्य से, मेक-इन-इंडिया के अंतर्गत कुछ भी कार्य नहीं हो रहा है और इस देश में महिलाओं का बलात्कार हो रहा है...(*व्यवधान*) यही चिंता उन्होंने व्यक्त की है।

श्री प्रहलाद जोशी: महोदय, यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। आप एक महिला सदस्य होकर उनका बचाव कर रही हैं। यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है. ...(*व्यवधान*)

श्रीमती स्मृति जूबिन ईरानी: महोदय, हम सभी ने इस सभा में दलगत भावना से ऊपर उठकर महिलाओं के प्रति अपराधों के बारे में बात की है। मुझे उम्मीद थी कि श्रीमती कनिमोझी पार्टी लाइन से ऊपर उठकर बोलेंगी। ...(*व्यवधान*) श्री राहुल गांधी, जो लगभग 50 वर्ष के हो चुके हैं, क्या उनको को यह एहसास है कि 'रेप इन इंडिया' का अर्थ भारत में महिलाओं के साथ बलात्कार के निमंत्रण के समान होगा? हाँ, श्री राहुल गांधी इतने अनजान नहीं हो सकते। मैं सदमे में हूँ। जब भी भारतीय जनता पार्टी की महिला सांसद बोलने के लिए खड़ी होती है, श्री गोगोई हर बार रोकने का प्रयास करते हैं। उन्हें बता दें कि आज उनका ... *हमें रोकने का प्रयास सफल नहीं होगा और अपनी बात कहने से रोका जाना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मुझे उम्मीद थी कि आप दलगत भावना से ऊपर उठकर भारत में बलात्कार के इस वक्तव्य की निंदा करेंगे। हम इस प्रतिष्ठित संसद के सदस्य और नागरिक होने के नाते कम से कम इतना तो कर ही सकते हैं। मुझे यह देखकर बहुत दुःख हुआ है कि महिलाओं के खिलाफ अपराध के मुद्दे पर भी आप दलगत भावनाओं से ऊपर नहीं उठ सके। इतना कहने से भी मुझे घृणा हो रही है। ...(व्यवधान)

---

* कार्यवाही-वृत्तान्त में सम्मिलित नहीं किया गया।

[हिंदी]

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, सब अपनी-अपनी सीटों पर बैठें।

... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आपसे आग्रह है कि सभी माननीय सदस्य अपनी-अपनी सीटों पर विराजें।

... (व्यवधान)

श्री अधीर रंजन चौधरी (बहरामपुर): सर, इन लोगों को आप बोलने दे रहे हैं और हमारा माइक ऑन नहीं है**। ... (**व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मैंने किसी को माइक नहीं दिया है।

... (व्यवधान)

श्री अधीर रंजन चौधरी: सर, इन लोगों को दिया है। ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मैंने नहीं दिया है।

... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: अगर सभा की सहमति हो तो प्रश्न-काल शुरू करें?

... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: सभा की सहमति हो तो प्रश्न काल शुरू करें?

... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: सभा की कार्यवाही 12 बजे तक के लिए स्थगित की जाती है।

... (व्यवधान)

पूर्वाह्न 11.32 बजे

तत्पश्चात् लोक सभा मध्याह्न बारह बजे तक के लिए स्थगित हुई।

... (व्यवधान)

———

मध्याह्न 12.00 बजे

लोक सभा मध्याह्न बारह बजे पुन: समवेत हुई।

(माननीय अध्यक्ष पीठासीन हुए)

[हिंदी]

माननीय अध्यक्ष: माननीय राजनाथ सिंह जी, आप क्या बोलना चाहते हैं?

... (व्यवधान)

रक्षा मंत्री (श्री राजनाथ सिंह): अध्यक्ष महोदय, सारा देश यह जानता है कि हमारे प्रधान मंत्री मोदी जी बराबर 'मेक-इन-इंडिया' कार्यक्रम पर बल दे रहे हैं।... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय, 'मेक-इन-इंडिया' कार्यक्रम पर प्रधान मंत्री जी के द्वारा इसलिए बल दिया जा रहा है कि भारत, जिसकी मान्यता एक इम्पोर्टर देश के रूप में रही है, वह हमारा भारत देश एक एक्सपोर्टर कंट्री के रूप में सारी दुनिया में खड़ा हो जाए।... (व्यवधान) इस कारण प्रधान मंत्री जी 'मेक-इन-इंडिया' के इस कार्यक्रम पर बल दे रहे हैं।... (व्यवधान) इतना ही नहीं, इस कारण भी 'मेक-इन-इंडिया' कार्यक्रम पर बल दे रहे हैं, ताकि हमारे देश के नौजवानों को बड़ी संख्या में रोजगार हासिल हो।... (व्यवधान) यह उद्देश्य है हमारे प्रधान मंत्री जी का, लेकिन इस 'मेक-इन-इंडिया' शब्द के साथ जिन शब्दों की तुकबंदी, इस सदन के वरिष्ठ सदस्य, जो काँग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रह चुके हैं, राहुल गाँधी के द्वारा की गई है, अध्यक्ष महोदय, सचमुच, मैं यह कहना चाहता हूं कि मैं तो आहत हुआ हूं, पूरा सदन आहत हुआ है और मैं समझता हूं कि सारा देश आहत होगा।... (व्यवधान) क्या इस सदन में ऐसे भी लोग चुन कर आ सकते हैं, जो कि इस प्रकार के शब्दों का प्रयोग करते हैं?... (व्यवधान)

अपराह्न 12.02 बजे

(*इस समय, श्री अब्दुल खालेक आगे आकर सभा पटल के निकट खड़े हो गये।*)

[हिंदी]

अध्यक्ष महोदय, मैं उस शब्द का इस सदन में प्रयोग नहीं कर सकता हूं।... (व्यवधान) मैं यह कहना चाहता हूं कि यह जो कुछ लोगों के द्वारा तर्क दिया जा रहा है कि इसके पहले भी हमारी पार्टी के कुछ लोगों ने कुछ अपशब्दों का प्रयोग बाहर किया था, तो अध्यक्ष महोदय, मैं आपको याद दिलाना चाहता हूं कि इस सदन में हम लोगों ने स्वयं अपने उन सदस्यों को, जिन्होंने थोड़ा इधर-उधर का शब्द प्रयोग किया था, उनको बुलाकर यहां पर खेद व्यक्त कराया है, चाहे वे साध्वी निरंजन ज्योति रही हों, चाहे वे हमारे अनन्त कुमार हेगड़े जी रहे हों।... (व्यवधान)

अपराह्न 12.03 बजे

(*इस समय, सुश्री एस. जोतिमणि और कुछ अन्य माननीय सदस्य आगे आकर सभा पटल के निकट खड़े हो गये।*)

काँग्रेस के इतने वरिष्ठ नेता के द्वारा यदि इस प्रकार के अपशब्दों का प्रयोग किया जा रहा है तो क्यों नहीं उन्हें सदन में आना चाहिए और केवल पूरे सदन से ही माफी नहीं माँगनी चाहिए, बल्कि सारे देश से माफी माँगनी चाहिए।... (व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मैं यह निवेदन करना चाहता हूं।... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय, मैं यह समझता हूं कि ऐसे व्यक्ति को सदन का सदस्य बनने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।... (व्यवधान) ऐसे व्यक्ति को सदन का सदस्य नहीं होना चाहिए।... (व्यवधान) इसलिए मैं माँग करना चाहता हूं कि वे सदन में आएं और सदन से ही नहीं, पूरे देश से वे क्षमा याचना करें।... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: सदन की कार्यवाही दोपहर बारह बजकर पन्द्रह मिनट तक के लिए स्थगित की जाती है।

अपराह्न 12.05 बजे

तत्पश्चात लोक सभा अपराह्न बारह बजकर पंद्रह मिनट तक के लिए स्थगित हुई।

अपराह्न 12.15 बजे

लोक सभा अपराह्न बारह बजकर पंद्रह मिनट पर पुनः समवेत हुई।

(माननीय अध्यक्ष *पीठासीन हुए)*

... (व्यवधान)

प्रश्नों के लिखित उत्तर[1]

(तारांकित प्रश्न संख्या 361 से 380
अतारांकित प्रश्न संख्या 4141 से 4370)

[1] **प्रश्नों और उनके उत्तरों के लिए ग्रंथालय में रखी गई वाद-विवाद के हिन्दी संस्करण की मास्टर-प्रति का संदर्भ लें। प्रश्नों और उनके उत्तरों के संबंध में अधिक जानकारी हेतु आप इस लिंक पर जाएं।** https://sansad.in/ls/hi/questions/questions-and-answers
इस लिंक के खुलने के बाद लोक सभा का चयन करें, फिर सत्र का चयन करें तत्पश्चात् फिल्टर में जाकर वाद-विवाद की तारीख का चयन करने के पश्चात् इसे लागू करें।

विदाई उल्लेख

[हिंदी]

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, अब हम सत्रहवीं लोक सभा के दूसरे सत्र की समाप्ति की ओर आ गए हैं, जो 18 नवम्बर, 2019 को आरंभ हुआ था। अब तक, हम 20 बैठकें कर चुके हैं जो 130 घंटे 45 मिनट तक चलीं। 18 नवम्बर, 2019 को चार नए सदस्यों ने शपथ ली अथवा प्रतिज्ञान किया।

... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : इस सत्र में महत्वपूर्ण वित्तीय, विधायी और अन्य कार्यों का भी निपटान हुआ। वर्ष 2019-20 के लिए अनुदानों की अनुपूरक मांगों (सामान्य) पर चर्चा 5 घंटे 5 मिनट तक चली। वर्तमान सत्र के दौरान 18 सरकारी विधेयक पुर:स्थापित हुए। कुल मिलाकर 14 विधेयक पारित हुए। 140 तारांकित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दिए गए। औसतन प्रतिदिन लगभग 7.36 प्रश्नों के उत्तर दिए गए। इसके अतिरिक्त औसतन प्रतिदिन 20.42 अनुपूरक प्रश्नों के उत्तर दिये गए। 27 नवम्बर, 2019 को सभी 20 तारांकित प्रश्न लिये गए।

... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : सदस्यों ने प्रश्न काल के पश्चात शाम को देर तक बैठकर लगभग 934 अविलंबनीय लोक महत्व के मामले उठाए। निर्धारित बैलट किए गए 20 मामलों की तुलना में प्रतिदिन औसतन 58.37 मामले उठाए गए। इसके अतिरिक्त स्थगन प्रस्ताव की उन 40 सूचनाओं, जिन्हें उठाने की अनुमति नहीं दी गई थी, को शून्य काल में मामलों में अंतरित करके सभा में उठाने की अनुमति दी गई। नियम 377 के अधीन कुल 364 मामले उठाए गए। इनमें से 121 मामलों को सभा में उठाया गया और 243 मामले सभा पटल पर रखे गए। स्थायी समितियों ने सभा में 48 प्रतिवेदन प्रस्तुत किए।

... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय संसदीय कार्य मंत्री के सरकारी कार्य के संबंध में 3 वक्तव्यों सहित मंत्रियों ने विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर कुल 15 वक्तव्य दिए। इस सत्र के दौरान संबंधित मंत्रियों ने कुल 1669 पत्र सभा पटल पर रखे।

... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : सभा में नियम 193 के अंतर्गत दो अल्पकालिक चर्चाएं भी की गईं। सबसे पहले 'वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन' के संबंध में चर्चा 7 घंटे और 49 मिनट तक चली तथा 'विभिन्न कारणों से फसल की क्षति और उसका कृषकों पर प्रभाव' विषय पर भी चर्चा 7 घंटे और 21 मिनट चली।

... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: जहां तक गैर-सरकारी सदस्यों के कार्य का संबंध है, गैर-सरकरी सदस्यों ने दूसरे सत्र के दौरान अलग-अलग विषयों पर 28 विधेयक पुर:स्थापित किए। 22 नवंबर, 2019 को 'अनिवार्य मतदान विधेयक, 2019' के प्रस्ताव पर आगे चर्चा की गई। उस दिन इस पर चर्चा पूरी नहीं हुई।

... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : गैर-सरकारी सदस्यों के संकल्पों के मामले में 29 नवम्बर, 2019 को केन-बेतवा नदी संपर्क परियोजना के माध्यम से नहरों के निर्माण संबंधी संकल्प पर आगे चर्चा की गई। उस दिन इस पर चर्चा पूरी नहीं हुई।

... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : इस सत्र में, विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करने के लिए सभा 28 घंटे और 43 मिनट देर तक बैठी। इस प्रकार सभा की उत्पादकता 115 प्रतिशत दर्ज की गई है।

मंगलवार, 26 नवम्बर, 2019 को संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में 'संविधान दिवस' की 70वीं वर्षगांठ मनाने हेतु एक समारोह का आयोजन किया गया।

... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : इस अवसर पर भारत के माननीय राष्ट्रपति जी, माननीय उपराष्ट्रपति जी, भारत के माननीय प्रधान मंत्री जी के साथ मैंने भी सभा को संबोधित किया। इस समारोह में संसद के दोनों सदनों- राज्य सभा और लोक सभा के संसद सदस्यों ने भाग लिया।

... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : संसद सदस्यों की क्षमता निर्माण के कदम के रूप में संदर्भ प्रभाग द्वारा सभा के समक्ष महत्वपूर्ण विधायी कार्यों पर ब्रीफिंग सत्र आयोजित करने हेतु एक पहल की गई है। इसका उद्देश्य सभा के विधायी मुद्दों पर संसद सदस्यों को जानकारी देना है। एक बार जब विधेयक पुर:स्थापित हो जाता है तब विधेयक के संबंध में ब्रीफिंग सत्र रखा जाता है, जिसमें संबंधित मंत्रालय/विभाग के वरिष्ठ अधिकारी सदस्यों को जानकारी देते हैं।

... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : संसद के वर्तमान शीतकालीन सत्र के दौरान अब तक 9 ब्रीफिंग सत्र आयोजित किए जा चुके हैं।

सदस्यों ने सत्रों के दौरान परस्पर चर्चाओं के आदान-प्रदान तथा दिए गए बहुमूल्य सुझावों की सराहना की है।

... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मैं सभा की कार्यवाही को पूरा करने में सभापति तालिका में शामिल अपने सभी माननीय सहयोगियों का उनके योगदान के लिए आभार व्यक्त करता हूं। मैं माननीय प्रधान मंत्री जी, संसदीय कार्य मंत्री जी, विभिन्न दलों और समूहों के नेताओं और माननीय सदस्यों के प्रति उनके सहयोग के लिए अत्यधिक कृतज्ञ हूं। मैं आप सभी की ओर से प्रेस और मीडिया के मित्रों का भी धन्यवाद करता हूं। मैं सभा को प्रदान की गई समर्पित और त्वरित सेवाओं के लिए लोक सभा सचिवालय के महासचिव, अधिकारियों और कर्मचारियों को धन्यवाद देता हूं। मैं सभा की कार्यवाही के संचालन से संबद्ध एजेंसियों को उनके द्वारा प्रदान की गई सहायता के लिए भी धन्यवाद देता हूं।

... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, कृपया अपने स्थान पर खड़े हो जाएं क्योंकि "वन्दे मातरम्" की धुन बजाई जाएगी।

अपराह्न 12.23 बजे

राष्ट्रगीत

(राष्ट्रगीत की धुन बजाई गई।)

अपराह्न 12.24 बजे

तत्पश्चात् लोक सभा अनिश्चित काल के लिए स्थगित हुई।

_____

इंटरनेट

लोक सभा की सत्रावधि के प्रत्येक दिन के वाद-विवाद का मूल संस्करण, अंग्रेजी संस्करण और हिन्दी संस्करण भारतीय संसद की निम्नलिखित वेबसाइट पर उपलब्ध हैं:

https://sansad.in/ls

लोक सभा की कार्यवाही का सीधा प्रसारण

लोक सभा की संपूर्ण कार्यवाही का संसद टी.वी. चैनल पर सीधा प्रसारण किया जाता है। यह प्रसारण सत्रावधि में प्रतिदिन प्रातः 11.00 बजे लोक सभा की कार्यवाही शुरू होने से लेकर उस दिन की कार्यवाही समाप्त होने तक होता है।

© 2019 प्रतिलिप्यधिकार लोक सभा सचिवालय

लोक सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियमों (सत्रहवां संस्करण) के नियम 379 और 382 के अन्तर्गत प्रकाशित